Printed Pages – 6+2 = 8

AI -1418

M. A. (Previous)

Term End Examination 2020-21

HINDI

Paper-III

आधुनिक गद्य साहित्य

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 100

Minimum Marks : 36

***नोट : सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

3×10=30

(क) राजकुमार ब्राह्मण न किसी के राज्य में रहता है और न किसी के अन्न से पलता है, स्वराज्य में विचरता है, और अमृत होकर जीता है। यह तुम्हारा

मिथ्या गर्व है, ब्राह्मण सब कुछ सामर्थ्य रखने पर भी स्वेच्छा से इन माया स्तूपों के ठुकरा देता है, प्रकृति के कल्याण के लिए अपने ज्ञान का दान देता है।

अथवा

मैं ऐसे व्यक्ति को अच्छी तरह समझती हूँ। तुम्हारे साथ उसका इतना ही संबंध है, कि तुम एक उपादान हो, जिसके आश्रय से वह अपने से प्रेम कर सकता है, अपने पर गर्व कर सकता है, परंतु तुम क्या सजीव व्यक्ति नहीं हो? तुम्हारे प्रति उसका या तुम्हारा कोई कर्त्तव्य नहीं है। कल तुम्हारी माँ का शरीर नहीं रहेगा और घर में एक समय की भोजन की व्यवस्था भी नहीं होगी, तो जो प्रश्न तुम्हारे सामने उपस्थित होगा उसका तुम क्या उत्तर दोगी? तुम्हारी भावना उस प्रश्न का समाधान कर देगी। फिर कह दो कि वह मेरी नहीं विलोम की भाषा है।

(ख) कर्म में आनंद अनुभव करने वालों का ही नाम कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फल स्वरूप लगते हैं।

अथवा

मैं प्रकृति का पुजारी हूँ, और मनुष्य को प्राकृतिक रूप में देखना चाहता हूँ—जीवन मेरे लिए आनन्दमय क्रीड़ा है, जहाँ कुत्सा, ईर्ष्या और जलन के लिए कोई स्थान नहीं। मैं भूत की चिंता नहीं करता, मेरे लिए वर्तमान ही सब कुछ है। भविष्य की चिन्ता हमें कायर बना देती है, भूत का भार हमारी कमर तोड़ देता है।

ज्ञानी कहता है होठो पर मुस्कुराहट न आए, आँखों में आँसू न आए। मैं कहता हूँ, अगर तुम हँस नहीं सकते। तो तुम मनुष्य नहीं पत्थर हो। वह ज्ञान जो मानवता को पीस डाले, ज्ञान नहीं है, कोल्हू है।

(ग) यह प्रसाद है आर्य, कि यह शरीर नरक का साधन है। यही बैकुण्ठ है। इसी को आश्रय करके नारायण अपनी आनंद लीला प्रकट कर रहे हैं। आनन्द से ही भुवन–मण्डल उद्भासित है। आनंद से ही विधाता ने सृष्टि उत्पन्न की है। आनंद ही इसका उद्गम है, आनंद ही इसका लक्ष्य है।

अथवा

मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो

जाती है। जन्मभर की घटनाएँ एक-एक करके सामने आती हैं। सारे दृश्यों के रंग साफ होते हैं, समय की धुंध ऊपर से बिल्कुल हट जाती हैं।

2. 'चन्द्रगुप्त' नाटक की अभिनेयता पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

'आषाढ़ का एक दिन' का नाट्य तत्वों के आधार पर मूल्यांकन कीजिए।

3. 'गोदान' उपन्यास में ग्राम और नगर की विभिन्न समस्याओं का चित्रण हुआ है उन पर आलोचनात्मक विवेचन कीजिए। 15

अथवा

'बाणभट्ट की आत्मकथा' में इतिहास और कल्पना का मणि-कांचन संयोग हुआ है। इस कथन की समीक्षा कीजिए?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20
   1. कालिदास का चरित्र चित्रण कीजिए।
   2. डॉ० रामकुमार वर्मा जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
   3. एकांकी की विशेषताएँ लिखिए।

4. 'चन्द्रमा मनसो जात:' निबंध का सारांश लिखिए।
5. 'उसने कहा था' कहानी का उद्देश्य लिखिए।
6. डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के निबंध की विशेषताएँ लिखिए।
7. निपुणिका का चरित्र चित्रण कीजिए।
8. हिन्दी नाट्य साहित्य में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी के योगदान लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **बीस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 20

1. चन्द्रगुप्त नाटक का नायक कौन है?
2. हरिशंकर परसाई किस विधा के रचनाकार हैं?
3. किन्हीं दो एकांकीकारों के नाम लिखिए।
4. राक्षस किस नाटक का पात्र है?
5. पुरस्कार कहानी का नायक कौन है?
6. प्रसाद जी के दो नाटकों के नाम लिखिए।
7. हिन्दी उपन्यास के सम्राट का नाम लिखिए।
8. गोबर किस उपन्यास का पात्र है?
9. कौटिल्य किसे कहा जाता है?
10. चिंतामणि किसकी प्रसिद्ध रचना है?
11. बाणभट्ट के पिता के नाम बताइये।
12. गोदान के अतिरिक्त प्रेमचंद के दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

13. भारत दुर्दशा किसकी रचना है?
14. बाणभट्ट की आत्मकथा उपन्यास है या नाटक।
15. परिन्दे कहानी से कहानीकार का नाम लिखिए।
16. लहना सिंह किस कहानी का पात्र है?
17. मंत्र कहानी है या निबंध।
18. 'वापसी' कहानी के नायक कौन हैं?
19. 'आवारा मसीहा' के रचयिता कौन है?
20. भीष्म साहनी के चर्चित उपन्यास का नाम बताइये।
21. नाटक में कितने तत्व होते हैं।
22. 'मैला आंचल' के रचनाकार का नाम बताइये।
23. गोदान में 'तितली' किसे कहा गया है?
24. धनिया किस उपन्यास की पात्रा है?
25. गद्य का प्रथम विकास किस रूप में होता है?